हिन्दुस्तान

आजमगढ़ का हस्तशिल्प होगा महोत्सव का आकर्षण

आजमगढ़ महोत्सव

लखनऊ | निज संवाददाता

आजमगढ़ की हस्तशिल्प व वस्त्रकला को प्रोत्साहित करने वाले आजमगढ़ महोत्सव का उद्घाटन रविवार को उप्र पर्यटन भवन में हुआ। इंडियन ट्रस्ट फॉर रूरल हेरिटेज एंड डेवलपमेंट और पर्यटन विभाग की ओर से कार्यक्रम में दर्शक आजमगढ़ के हरिहरपुर की संगीत कला, मुबारकपुर की बुनाई कला व निजामाबाद की ब्लैक पॉटरी कला से परिचित हुए।

महोत्सव का उद्घाटन परिवहन मंत्री यासिर शाह ने किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से छोटे जिलों की प्रतिभा उभरकर सामने आती है। साथ ही कलाकारों को एक बड़ा मंच मिलता है। जिससे प्रदेश का विकास भी संभव हो पाता है।

वहीं, प्रमुख सचिव पर्यटन नवनीत सहगल ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन के बढ़ावे के लिए शिल्पकलाओं को प्रोत्साहन मिलना जरूरी है। उन्होंने आजमगढ़ की साड़ियों की भी सराहना की। ट्रस्ट की सदस्य सचिव अर्चना कपूर ने बताया कि आजमगढ़ के कलाकारों के लिए यहां पर विशेष व्यवस्था की जाती है। यहां सीधे कारीगरों को स्टाल दिए गए हैं, जिससे उनकी प्रतिभा को बढ़ावा मिलता है।

आजमगढ़ की साड़ियों ने मोहा : पर्यटन भवन में आजमगढ़ के विक्रेताओं की ओर से लगाए गए साड़ियों के स्टाल को देखकर महिलाएं हैरान रह गईं। आयोजकों ने बताया कि बनारसी साड़ियों के लिए वैसे तो बनारस विख्यात है, लेकिन इन साड़ियों के लिए आजमगढ़ से ही सामान जाता है। स्टाल लगाए टकसाल से अम्बर ने बताया कि वह खुद ही साड़ियों की बुनाई करते हैं। उनके पास एक हजार से लेकर पच्चीस हजार रुपए की साड़ियां मौजूद हैं। महोत्सव में सिल्क की साड़ियों की बड़ी शृंखला मौजूद है। जिन्हें आजमगढ़ के मुबारकपुर, तेलया, निजामाबाद आदि जगहों पर बनाया जाता है। साड़ियों में रेशम, मोगा के स्टाल महिलाओं को आकर्षित कर रहे हैं।

आजमगढ़ महोत्सव का उद्घाटन रविवार को पर्यटन भवन मे परिवहन मंत्री यासिर शाह ने किया। महोत्सव मे आजमगढ़ की आकर्षक कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है

ब्लैक पॉटरी कला के मुरीद हुए दर्शक

आजमगढ़ की मशहूर ब्लैक पॉटरी कला का बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया गया। यहां बड़ी संख्या में मिट्टी के बर्तनों के स्टॉल लगे हुए हैं। इन पात्रों को धुएं में पकाया जाता है, जिससे इनकी रंगत पूरी तरह से बदल जाती है। यहां मिट्टी के बर्तनों पर हाथ से की गई नक्काशी की दर्शकों ने सराहना की। यहां मिट्टी के बने कछुए, मर्तबान, गुलदस्ते, डिजायनर दीए, चिड़िया के दाने के लिए बना पात्र बिक्री के लिए उपलब्ध है। इनकी कीमत दस रुपए से शुरू है।

आज के कार्यक्रम

सोमवार को आजमगढ़ महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। जिसमें गायक द्वारिका नाथ मिश्रा व सुदर्शन मिश्रा का गायन व पं. भोलानाथ मिश्रा की ओर से ठुमरी, दादरा, कजरी गीतों का गायन होगा।

हरिहरपुर गांव के लिए एक क

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

आजमगढ़ के हरिहरपुर गांव को पर्यटक गांव के तौर पर विकसित करने के लिए एक करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। यह घोषणा पर्यटन महानिदेशक नवनीत सहगल ने 8 दिवसीय आजमगढ़ महोत्सव के उद्घाटन के मौके पर की।

हालांकि इस महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को करना था लेकिन वह नहीं आए। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) यासर शाह ने कहा कि मैं यहां मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में आया हूं। मैं नहीं जानता था कि आजमगढ़ इतना समृद्ध है। हम इसे पूर्वांचल के एक पिछड़े जिले के रूप में जानते हैं।

उन्होंने कहा कि यूपी में ऐसी बहुत-सी चीजें हैं जिन्हें लोग नहीं जानते। इसकी मार्केटिंग करनी चाहिए। मसलन मथुरा के पेड़े लोग भले जानते हों लेकिन बहराइच का हलवा पूड़ी, मैगलगंज का गुलाब जामन को लोग नहीं जानते। श्री शाह ने मुख्यमंत्री व पर्यटन विभ बधाई देते हुए कहा कि इस त आयोजनों को और किया जाना श्री सहगल ने कहा कि आजम हस्तशिल्प के लिए मशहूर तीन हरिहरपुर, मुबारकपुर निजामाबाद के बीच में कॉम्प्लेक्स बनाने पर विचार जाएगा। हम क्राफ्ट ट्रेल प कर रहे हैं और गांवों के हस्तशि सामने लाया जाएगा।

कार्यकर्ताओं ने लगाए

कार्यक्रम के एक घण्टे पहले ही पर्यटन भवन के गेट पर सौ से अ युवा मौजूद थे जो मुख्यमंत्री जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे। माहौल इतना गर्मा गया कि पुलि को भवन का मुख्य द्वार बंद कर पड़ा। हालांकि मुख्यमंत्री के नहीं आने पर ये वापस चले गए। इन नेतृत्व राहुल सिंह कर रहे थे। र सिंह लखनऊ पूर्वी से दावेदारी रहे हैं और यहां से श्वेता सिंह क टिकट दिया गया है।